# भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 11/06/2019 को एक पूर्ण दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन

राजभाषा नीति
11/06/2019 11:52

11/06/2019 11:53

11/06/2013 15:13

हिंदी कार्यशाला
11/06/2013 16:35

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन एवं हिंदी के प्रचार – प्रसार व प्रगति के उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भारतीय खान ब्यूरो, मुख्यालय, नागपुर में दिनांक 11 जून, 2019 को अ धकारियों एवं कर्मचारियों हेतु एक पूर्ण दिवसीय

हिंदी कार्यशाला का आयोजन कया गया । इस हिंदी कार्यशाला में कुल 20 अ धकारी एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लया ।

हिंदी कार्यशाला में भारतीय खान ब्यूरो कार्यालय के व्याख्याताओं ने अलग – अलग वषयों पर अपने व्याख्यान दिए । इसमें भारतीय खान ब्यूरो के डॉ. पी. के. जैन, राजभाषा अ धकारी ने राजभाषा नीति एवं वा र्षक कार्य योजना, श्री ए. के. संह, मुख्य संपादक ने पत्राचार एवं पारिभा षक शब्दावली, श्री असीम कुमार, हिंदी अनुवादक ने टिप्पण आलेखन एवं तिमाही रिपोर्ट तथा श्री डी. के. स्वामी, वरिष्ठ प्रशासनिक अ धकारी ने लेखा एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग आदि वषयों पर अपने व्याख्यान दिए ।

अपने व्याख्यान में डॉ. पी. के. जैन, मुख्य खनिज अर्थशास्त्री एवं राजभाषा अ धकारी ने हिंदी कार्यशाला के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा क हिंदी कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार की राजभाषा नीति का ही एक अंग है । उन्होंने प्रतिभा गयों के समक्ष भारत सरकार की राजभाषा नीति एवं अ धनियम की वस्तृत जानकारी दी तथा हिंदी में कार्य करने के आसान व सरल तरीके बताते हुए भारतीय सं वधान में हिंदी के प्रावधानों की जानकारी दी । श्री ए. के. संह, मुख्य संपादक ने पत्राचार एवं पारिभा षक शब्दावली की जानकारी देते हुए इसकी आवश्यकता व इसकी महत्ता पर वस्तृत जानकारी दी तथा हिंदी – अंग्रेजी वाक्य संरचना को वस्तार से समझाते हुए कार्यालय के दैनंदिन कार्य में प्रयुक्त होने वाले शब्दों व वाक्यांशों की भी जानकारी दी ।

श्री असीम कुमार, हिंदी अनुवादक ने टिप्पण आलेखन में होने वाली छोटी – छोटी त्रुटियों के वस्तृत जानकारी दी एवं तिमाही रिपोर्ट भरते हुए क्या सावधानी बरती जाए इसकी जानकारी देते हुए इसके प्रारूपण से प्रतिभा गयों को अवगत कराया ।

श्री डी. के. स्वामी, वरिष्ठ प्रशासनिक अ धकारी ने लेखा एवं प्रशासनिक कार्यों में हिंदी का प्रयोग आदि वषयों पर कस तरह से पत्राचार करना है उसके बारे में जानकारी दी साथ ही च कत्सा नियमों, चल / अचल संपत्ति, सेवापंजी में प्र वष्टियां, परिवार ववरण तथा छु ियों के नियमों संबंधी वस्तृत जानकारी दी ।

कार्यशाला में सभी प्रतिभा गयों ने अपनी वशेष रू च दिखाते हुए व्याख्याताओं से अपनी समस्याओं का निवारण कया साथ ही ऐसी कार्यशाला समय – समय पर निय मत रूप से आयोजित कए जाने की इच्छा व्यक्त की ।

कार्यशाला के पश्चात सभी प्रतिभा गयों से कार्यशाला के वषय में उनकी प्रति क्रयाएं भी प्राप्त की गई । सभी प्रतिभा गयों ने सकारात्मक प्रति क्रयाएं व्यक्त की साथ ही यह भी कहा क कार्यशाला में व्याख्याओं के साथ वचार – वमर्श आवश्यक है तथा अ धकारियों एवं कर्मचारियों सुझाव दिया क इस प्रकार की हिंदी कार्यशाला समय – समय पर होनी चाहिए तथा तकनीकी वषयों पर भी कार्यशाला आयोजित करने के सुझाव दिए । कुछ प्रतिभा गयों ने ऐसी कार्यशाला

प्रतिमाह आयोजित करने हेतु सुझाव दिए । साथ ही यह भी कहा क ऐसी कार्यशालाओं से सरकारी कामकाज में काफी मदद मलती है तथा इस कार्यशाला को पूरी तरह से परिपूर्ण बताया ।

अंत में श्री कशोर डी. पारधी, हिंदी अनुवादक द्वारा दिए गए धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला सफलतापूर्वक संपन्न हुई ।